भारत सरकार

जनजातीय कार्य मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या- 2012

उत्तर देने की तारीख- 31.07.2025

जनजातीय भाषाओं का संरक्षण

2012. एडवोकेट गोवाल कागडा पाडवी:

क्या **जनजातीय कार्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने विलुप्त हो रही जनजातीय भाषाओं और मौखिक परंपराओं के संरक्षण के लिए कदम उठाए हैं और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ख) भाषा संरक्षण के लिए प्राथमिकता वाले क्षेत्रों या जनजातियों का ब्यौरा क्या है;
(ग) क्या इस उद्देश्य के लिए कोई सामुदायिक रेडियो या पुरातत्व डिजिटल संग्रह पहल शुरू की गई है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(घ) मौखिक साहित्य और गीतों के दस्तावेजीकरण में स्थानीय युवाओं को शामिल करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं;
(ङ) भाषा और सांस्कृतिक संरक्षण पर काम कर रहे जनजातीय विद्वानों और शोधकर्ताओं को दी जाने वाली वित्तीय सहायता का ब्यौरा क्या है; और
(च) क्या सरकार का लुप्तप्राय जनजातीय भाषाओं के लिए द्विभाषी शब्दकोश या शिक्षण सामग्री प्रकाशित करने का विचार है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

जनजातीय कार्य राज्यमंत्री
(श्री दुर्गादास उइके)

(क) से (च) : केंद्र प्रायोजित योजना 'जनजातीय अनुसंधान संस्थानों (टीआरआई) को सहायता' के अंतर्गत जनजातीय कार्य मंत्रालय, भारत सरकार, राज्यों/संघ राज्यक्षेत्रों (यूटी) में 29 जनजातीय अनुसंधान संस्थानों (टीआरआई) को राज्यों/संघ राज्यक्षेत्रों द्वारा प्रस्तुत वार्षिक कार्य योजना के आधार पर वित्तीय सहायता प्रदान करता है, जो सचिव, जनजातीय कार्य मंत्रालय की अध्यक्षता वाली शीर्ष समिति के अनुमोदन के अधीन है। इस योजना के अंतर्गत, अनुसंधान एवं दस्तावेजीकरण गतिविधियों और प्रशिक्षण एवं क्षमता निर्माण कार्यक्रमों के साथ-साथ, जनजातीय त्योहारों के आयोजन, अद्वितीय सांस्कृतिक विरासत और पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए

यात्राओं और जनजातियों द्वारा आदान-प्रदान यात्राओं के आयोजन से संबंधित प्रस्तावों को तैयार किया जाता है ताकि उनकी सांस्कृतिक प्रथाओं, भाषाओं और रीति-रिवाजों (अनुष्ठानों) को संरक्षित और प्रसारित किया जा सके। टीआरआई मुख्य रूप से राज्य सरकार/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासन के प्रशासनिक नियंत्रण के अधीन संस्थान हैं। इस योजना के अंतर्गत, निम्नलिखित को/के लिए भी निधियां उपलब्ध कराई जाती हैं:

i. जनजातीय भाषाओं में वर्णमाला, स्थानीय कविताएं और कहानियां प्रकाशित करना।

ii. जनजातीय साहित्य को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न जनजातीय भाषाओं पर पुस्तकें, पत्रिकाएँ प्रकाशित करना।

iii. सिकल सेल एनीमिया रोग जागरूकता और परामर्श मॉड्यूल एवं निदान और उपचार मॉड्यूल तथा अन्य सूचना, शिक्षा और संचार (आईईसी) सामग्री के बारे में प्रशिक्षण मॉड्यूल का प्रासंगिक जनजातीय भाषाओं/बोलियों में अनुवाद और प्रकाशन।

इसके अलावा, जैसा कि सूचित किया गया है, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार ने 2013 में केंद्रीय भारतीय भाषा संस्थान (सीआईआईएल), मैसूरु के तहत "लुप्तप्राय भाषाओं के सुरक्षा और संरक्षण योजना (एसपीपीईएल)" शुरू की थी। संस्थान ने कोर कमेटी की मदद से पहले भाग में जनजातीय भाषाओं सहित 117 भाषाओं की पहचान की, जिन पर चरणबद्ध तरीके से काम किया जाएगा। एसपीपीईएल का उद्देश्य प्राइमर, द्वि/त्रिभाषी शब्दकोश (इलेक्ट्रॉनिक और मुद्रित प्रारूप), व्याकरणिक रेखाचित्र, चित्रात्मक शब्दावलियाँ और समुदाय की नृजातीय-भाषाई रूपरेखा तैयार करके 10,000 से कम बोलने वाले लोगों द्वारा बोली जाने वाली भारत की मातृभाषाओं/भाषाओं की भाषा और संस्कृति का दस्तावेजीकरण करना है। 117 भाषाओं की सूची **अनुलग्नक-I** में दी गई है। स्थानीय समुदाय के लोग एसपीपीईएल भाषा प्रलेखन प्रक्रिया के अभिन्न अंग हैं। क्षेत्रीय (फील्ड) कार्य के दौरान समुदाय के लोगों को भाषा सलाहकार के रूप में शामिल किया जाता है। यहाँ तक कि भाषा प्रलेखन से संबंधित कार्यशालाओं, संगोष्ठियों और सम्मेलनों में भी समुदाय के लोगों को शामिल किया जाता है और आमंत्रित किया जाता है।

इसके अलावा, भाषा संचिका, केंद्रीय भारतीय भाषा संस्थान (सीआईआईएल) का डिजिटल भाषा भंडार (रिपोजिटरी) है, जहां भाषा संरक्षण, प्रसार और तकनीकी उन्नति एक अग्रणी पहल के रूप में मिलती है। अभिलेख पोर्टल का मुख्य उद्देश्य विविध स्वरूपों - पाठ, चित्र, श्रव्य और दृश्य - में भारतीय भाषाई संसाधन उपलब्ध कराना; भाषा प्रौद्योगिकी संसाधन, भाषा शिक्षण सामग्री और अन्य भाषा-संबंधी उत्पाद एवं सेवाएँ बनाने में सहायता करना है। विवरण निम्नलिखित लिंक पर उपलब्ध है:
https://sanchika.ciil.org/home

सीआईआईएल ने एसपीपीईएल के अंतर्गत शब्दकोश विकसित किए हैं और उनकी सूची **अनुलग्नक-II** में दी गई है। शिक्षण सामग्री के संबंध में, सीआईआईएल ने एनसीईआरटी, नई दिल्ली के सहयोग से 117 भाषाओं (अनुसूचित, गैर-अनुसूचित और जनजातीय) पर प्राइमर विकसित किए हैं। विवरण निम्नलिखित लिंक पर उपलब्ध है: https://ciil.org/primers_book.

अनुलग्नक-I

दिनांक 31.07.2025 को पूछे जाने वाले लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 2012 के भाग (क) से (च) के उत्तर में संदर्भित विवरण

लुप्तप्राय भाषाओं के सुरक्षा और संरक्षण योजना (एसपीपीईएल)

क्षेत्र-वार लुप्तप्राय भाषाओं की सूची

क्रम सं.	भाषाएँ /एमटी	क्षेत्र
1	लैमोंगसे	अंडमान और निकोबार
2	लूरो	अंडमान और निकोबार
3	माउट ओंगे	अंडमान और निकोबार
4	ओंगे	अंडमान और निकोबार
5	पू	अंडमान और निकोबार
6	सैनेन्यो	अंडमान और निकोबार
7	सेंटिलीज़	अंडमान और निकोबार
8	शोम्पेन	अंडमान और निकोबार
9	ताकाहानयिलंग	अंडमान और निकोबार
10	भुंजिआ	पूर्व मध्य क्षेत्र
11	बिंझिया/बिरजिया/बृजिया	पूर्व मध्य क्षेत्र
12	बिरहोर	पूर्व मध्य क्षेत्र
13	बोडो गदाबा/गुतोब	पूर्व मध्य क्षेत्र
14	बोंडो	पूर्व मध्य क्षेत्र
15	ढिमल	पूर्व मध्य क्षेत्र
16	दिदायि/गाता	पूर्व मध्य क्षेत्र
17	गोरम	पूर्व मध्य क्षेत्र
18	होलिया	पूर्व मध्य क्षेत्र
19	मांडा	पूर्व मध्य क्षेत्र
20	म्रू	पूर्व मध्य क्षेत्र
21	पारेंगा	पूर्व मध्य क्षेत्र
22	थरूआ	पूर्व मध्य क्षेत्र
23	थोटी	पूर्व मध्य क्षेत्र
24	टोटो	पूर्व मध्य क्षेत्र
25	ऐमोल	उत्तर पूर्व क्षेत्र
26	एटोंग	उत्तर पूर्व क्षेत्र

27	बागी	उत्तर पूर्व क्षेत्र
28	बैत/ बाइत	उत्तर पूर्व क्षेत्र
29	बंगरो	उत्तर पूर्व क्षेत्र
30	बाउम	उत्तर पूर्व क्षेत्र
31	चिनज़/जाइफे	उत्तर पूर्व क्षेत्र
32	चिरू	उत्तर पूर्व क्षेत्र
33	चोठे	उत्तर पूर्व क्षेत्र
34	डार्लॉन्ग	उत्तर पूर्व क्षेत्र
35	दिरांग मोनपा	उत्तर पूर्व क्षेत्र
36	गुरुंग	उत्तर पूर्व क्षेत्र
37	कागाटे	उत्तर पूर्व क्षेत्र
38	कामी/खामी	उत्तर पूर्व क्षेत्र
39	खांबा	उत्तर पूर्व क्षेत्र
40	खामियांग	उत्तर पूर्व क्षेत्र
41	खम्पटी	उत्तर पूर्व क्षेत्र
42	कोइरेंग	उत्तर पूर्व क्षेत्र
43	कोमकर	उत्तर पूर्व क्षेत्र
44	कोंगबो	उत्तर पूर्व क्षेत्र
45	लामगांग	उत्तर पूर्व क्षेत्र
46	लिजु	उत्तर पूर्व क्षेत्र
47	मारा	उत्तर पूर्व क्षेत्र
48	मेयर/ज़ाखरिंग	उत्तर पूर्व क्षेत्र
49	मोयों	उत्तर पूर्व क्षेत्र
50	मुखिया/सुनवार	उत्तर पूर्व क्षेत्र
51	नाअ	उत्तर पूर्व क्षेत्र
52	नेवार/प्रधान	उत्तर पूर्व क्षेत्र
53	नेवाड़ी	उत्तर पूर्व क्षेत्र
54	फाकियाल/ताई फाके	उत्तर पूर्व क्षेत्र
55	पुरोइक/सुलुंग	उत्तर पूर्व क्षेत्र
56	पुरूम	उत्तर पूर्व क्षेत्र
57	राल्टे	उत्तर पूर्व क्षेत्र
58	रंगलोंग	उत्तर पूर्व क्षेत्र
59	शेरडुकपेन	उत्तर पूर्व क्षेत्र
60	सिमोंग	उत्तर पूर्व क्षेत्र
61	सिंगफो	उत्तर पूर्व क्षेत्र

62	तंगम	उत्तर पूर्व क्षेत्र
63	ताराओ	उत्तर पूर्व क्षेत्र
64	थापा	उत्तर पूर्व क्षेत्र
65	उचाई	उत्तर पूर्व क्षेत्र
66	योबिन/योबिन लिज़ू	उत्तर पूर्व क्षेत्र
67	ज़खरिंग	उत्तर पूर्व क्षेत्र
68	चिनाली	उत्तर क्षेत्र
69	दरमिया	उत्तरी क्षेत्र
70	गढ़ी	उत्तरी क्षेत्र
71	जाड	उत्तरी क्षेत्र
72	जंगली	उत्तरी क्षेत्र
73	जंगसुंग	उत्तरी क्षेत्र
74	कनाशी/मैलानी	उत्तरी क्षेत्र
75	रांगपो	उत्तरी क्षेत्र
76	स्पिति	उत्तरी क्षेत्र
77	बिलास्टीन	उत्तरी क्षेत्र
78	बटेरि	उत्तरी क्षेत्र
79	बेडा	उत्तरी क्षेत्र
80	भद्रलियाम	उत्तरी क्षेत्र
81	दरगारी	उत्तरी क्षेत्र
82	गोजापुरी	उत्तरी क्षेत्र
83	हस्सदी	उत्तरी क्षेत्र
84	खाना	उत्तरी क्षेत्र
85	खशा/खश	उत्तरी क्षेत्र
86	कुशवाही	उत्तरी क्षेत्र
87	मसीदी	उत्तरी क्षेत्र
88	मेशाबी	उत्तरी क्षेत्र
89	पददारी	उत्तरी क्षेत्र
90	सियान	उत्तरी क्षेत्र
91	सिरम	उत्तरी क्षेत्र
92	तेहगुल	उत्तरी क्षेत्र
93	अरंडन	दक्षिणी क्षेत्र
94	एरावल्लन	दक्षिणी क्षेत्र
95	हक्कीपिक्की	दक्षिणी क्षेत्र
96	जेनु कुरुम्बा	दक्षिणी क्षेत्र

97	कादर	दक्षिणी क्षेत्र
98	कनिकेर गोट्टी	दक्षिणी क्षेत्र
99	कुटिया	दक्षिणी क्षेत्र
100	मलाईमालासर	दक्षिणी क्षेत्र
101	मालासर	दक्षिणी क्षेत्र
102	मलायन	दक्षिणी क्षेत्र
103	मन्नान	दक्षिणी क्षेत्र
104	मूपन	दक्षिणी क्षेत्र
105	मुदुगा	दक्षिणी क्षेत्र
106	मुदुवन	दक्षिणी क्षेत्र
107	पलिया	दक्षिणी क्षेत्र
108	पुलिया	दक्षिणी क्षेत्र
109	सिद्दी	दक्षिणी क्षेत्र
110	सोलिगा	दक्षिणी क्षेत्र
111	टोडा	दक्षिणी क्षेत्र
112	उरली	दक्षिणी क्षेत्र
113	बराडी	पश्चिम मध्य क्षेत्र
114	भला	पश्चिम मध्य क्षेत्र
115	भरवाड/भरवाडी	पश्चिम मध्य क्षेत्र
116	दिवेही	पश्चिम मध्य क्षेत्र
117	निहाली	पश्चिम मध्य क्षेत्र

अनुलग्नक- II

दिनांक 31.07.2025 को पूछे जाने वाले लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 2012 के भाग (क) से (च) के उत्तर में संदर्भित विवरण

प्रकाशन:

क्रम सं.	**शीर्षक**	**आईएसबीएन**
	प्रकाशित:	
1.	हक्कीपिक्की-कन्नड़-अंग्रेज़ी शब्दकोश	978-93-94835-05-4
2.	मलायन-मलयालम-अंग्रेज़ी शब्दकोश	978-93-94835-06-1
3.	मांडा-उड़िया-अंग्रेज़ी शब्दकोश	978-93-94835-25-2
4.	लामकांग-अंग्रेज़ी शब्दकोश	978-93-94835-27-6
5.	सोलिगा-अंग्रेज़ी-कन्नड़ त्रिभाषी शब्दकोश	978-93-94835-28-3
6.	सोलिगा-अंग्रेज़ी का एक शब्दकोश	978-93-94835-30-6
7.	लूरो शब्दकोश	978-81-19411-54-2
8.	सानेन्यो शब्दकोश	978-81-19411-88-7

*****